जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 28 संख्याः 195 प्रभात अजमेर, मंगलवार 13 फरवरी, 2024 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

लोकसभा चुनाव नहीं लडेंगी सोनिया गांधी?

चर्चा है कि, वे राज्यसभा में जाने के विकल्प पर विचार कर रही हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। कांग्रेस पार्टी के अंदर इस खबर को लेकर भारी चिंता का माहौल है कि, सोनिया गाँधी उत्तर प्रदेश में अपनी रायबरेली सीट छोड़कर राज्यसभा चुनाव लड़ने के बारे में गंभीरता से विचार कर रही हैं।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पहले ही समाप्त हो चुकी है और केवल रायबरेली सीट पर जीत की संभावना बनी हुई थी, जहाँ सोनिया गाँधी बहुत लोकप्रिय हैं और जनता उनका बहुत सम्मान करती है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कहते हैं कि, यदि सोनिया गाँधी राज्यसभा में चली गईं तो कांग्रेस के लिए यह मृत्यु घोष के

- **सूत्रों का कहना है कि, अगर सोनिया ने रायबरेली सीट छोड़ दी तो, आगामी लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश से कांग्रेस को शून्य मिलेगा क्योंकि, यहां सिर्फ रायबरेली सीट ही कांग्रेस के पास है।**
- **उत्तर प्रदेश के कांग्रेस के सूत्रों का कहना है कि, रायबरेली में सोनिया की भारी लोकप्रियता है तथा जनता उन्हें बहुत मानती है।**
- **यही नहीं, अगर सोनिया राज्यसभा जाती हैं तो यह यू.पी. में कांग्रेस के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है। इससे यह मैसेज जाएगा कि, गांधी परिवार का प्रभाव खत्म हो रहा है।**

समान होगा।

सांकेतिक रूप से इसका अर्थ होगा कि, पार्टी ने लोकसभा के लिए सभी उम्मीदें छोड़ दी हैं। इसका मतलब हुआ कि, गाँधी परिवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस पूरी तरह से पिट गई है और गाँधी परिवार के नेता चुनावी प्रभाव के साथ-साथ पार्टी के अंदर भी अपना प्रभाव खो चुके हैं।

तर्क यह दिया जा रहा है कि, यदि रायबरेली से सोनिया गाँधी चुनाव हार जाती हैं तो उन्हें अपना 10, जनपथ बंगला छोड़ना पड़ेगा।

क्या अब शक्तिशाली गाँधी परिवार की यह हालत हो गई है कि, उन्हें एक बंगले के कारण मुख्य एवं महत्वपूर्ण निर्णय लेने पड़ रहे हैं।

राहुल और प्रियंका गाँधी से अधिक, सोनिया गाँधी ने एक नेता के रूप में जनता का सम्मान अर्जित किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'उपमुख्यमंत्री भी अन्य मंत्रियों की तरह हैं'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि, "इससे संवैधानिक स्थिति का उल्लंघन

- **सुप्रीम कोर्ट ने उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति को चुनौती देने वाली याचिका खारिज की और कहा कि, यह सिर्फ लेबल है, इसका वेतन अन्य मंत्रियों जैसा ही होता है।**

नहीं होता है।"

सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता ने कहा कि, उपमुख्यमंत्री की नियुक्ति का आधार केवल "धर्म व समाज के किसी खास वर्ग" को महत्व देना है। इस पर शीर्ष अदालत ने कहा कि उपमुख्यमंत्री

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मदन राठौड़ व चुन्नीलाल गरासिया को भाजपा ने राज्यसभा टिकट दिया

भाजपा ने इस निर्णय से ओ.बी.सी. और आदिवासी वोट बैंक को साधने की कोशिश की है

जयपुर, 12 फरवरी (का.सं.)। राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने सोमवार रात राजस्थान से दो उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। मदन राठौड़ व चुन्नीलाल गरासिया को राज्यसभा का उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने प्रदेश के ओबीसी और आदिवासी वोटर्स को साधने की कोशिश की है। मदन राठौड़ पाली जिले के सुमेरपुर से आते हैं और गोडवाड़ का प्रमुख ओबीसी चेहरा है। वहीं, चुन्नीलाल गरासिया को उम्मीदवार बनाकर भाजपा ने आदिवासी मतदाताओं को साधने की कवायद की है। चुन्नीलाल गरासिया की आदिवासी मतदाताओं में अच्छी पकड़ है।

राजस्थान में तीन सीटों में से दो भाजपा और एक कांग्रेस के पास है। राज्यसभा की तीन सीटों में से संख्या

- **मदन राठौड़ पाली जिले की सुमेरपुर सीट से दो बार विधायक रहे हैं तथा गोडवाड़ के प्रमुख ओ.बी.सी. नेता हैं।**
- **चुन्नी लाल गरासिया की आदिवासी वोटों पर अच्छी पकड़ है।**
- **राजस्थान में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होंगे, इनमें से एक सीट कांग्रेस को मिलेगी और दो भाजपा के खाते में जाएंगी।**

बल के हिसाब से दो पर भाजपा और एक पर कांग्रेस की जीत तय है। इन सीटों पर भूपेंद्र यादव, किरोड़ीलाल मीणा और मनमोहन सिंह का कार्यकाल पूरा हो रहा है।

मदन राठौड़ पाली की सुमेरपुर विधानसभा सीट से दो बार विधायक रहे हैं। वे 2003 में पहली बार विधायक बने थे और 2013 में दूसरी बार विधायक बनकर विधानसभा पहुंचे थे। वर्ष 2013 से 2018 तक वे सरकारी उप मुख्य सचेतक रहे थे। विधानसभा चुनाव 2023 में भाजपा ने टिकट नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तृणमूल के खिलाफ महिलाओं का गुस्सा हिंसक आंदोलन में बदला

राज्य की महिला मुख्यमंत्री ने महिलाओं को जेल में डालने का फरमान सुनाया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। तृणमूल कांग्रेस की कार गुजारियों की वजह से बंगाल धधक रहा है। तृणमूल नेताओं के जघन्य अपराध सामने आ गए हैं और तृणमूल नेता शेख शाहजहां और उसका मुख्य सहयोगी शिबु हाजरा फरार है।

गांव वाले उनकी तुरंत गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं, क्योंकि तृणमूल के ये गुंडे स्थानीय लोगों पर भी अत्याचार करते रहे हैं उनके घर व जमीनें छीन लेते है उनसे हफ्ता वसूलते हैं और महिलाओं के साथ भी दुर्व्यवहार करते हैं।

क्षेत्र के और समीपवर्ती जिलों के सभी गांवों के लोग खासकर महिलाओं के नेतृत्व में अपना गुस्सा प्रदर्शित कर रहे हैं। महिलाओं का आरोप है कि ये लोग इन्हें रात में बुलाते थे तथा शारीरिक

- **लेकिन, अपनी पार्टी के नेता और फरार आरोपियों, शेख शाहजहां और शिबु हाजरा की गिरफ्तारी पर एक शब्द भी नहीं कहा।**
- **ममता बनर्जी के आदेश के बाद पुलिस ने विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों को गिरफ्तार किया पर अधिकांश को कोर्ट ने रिहा कर दिया।**
- **महिलाओं ने आरोप लगाया कि, तृणमूल नेता उनका शारीरिक शोषण करते हैं और बात नहीं मानने पर उनके पति को पीटते हैं।**
- **कई जगहों पर महिलाओं ने तृणमूल नेताओं के घरों व पोल्ट्री फार्म आदि में आग लगा दी।**

शोषण करते थे।

कहने की जरुरत नहीं है कि पूरे राज्य में तृणमूल के गुंडों द्वारा महिलाओं का उत्पीड़न आम बात है। महिलाएं बताती हैं कि किस प्रकार से तृणमूल नेता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उत्तर पूर्वी दिल्ली में धारा 144 लागू

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। दिल्ली पुलिस ने किसानों के "दिल्ली चलो" अभियान के मद्देनज़र सी.आर.पी.सी. की धारा 144 के तहत 12 मार्च तक के लिए निषेधाज्ञा लागू कर दी है तथा राजधानी की सभी सीमाओं को बंद कर दिया है। हरियाणा और पंजाब में

- **दिल्ली पुलिस ने किसानों के "दिल्ली चलो" प्रदर्शन को देखते हुए 12 मार्च तक के लिए धारा 144 के तहत निषेधाज्ञा लगा दी है।**

इन्टरनैट बंद करने के विरूद्ध पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में एक याचिका दर्ज करवाई गई है।

पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉली, किसानों के मार्च में शामिल होने के लिए दिल्ली की ओर निकल पड़ी हैं। इसी के साथ तीन केन्द्रीय मंत्रियों की एक टीम किसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पशिचमी उत्तर प्रदेश नहीं जाएगी राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

सूत्रों के अनुसार जयंत चौधरी के एन.डी.ए. में जाने के कारण यह निर्णय किया गया है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। राष्ट्रीय लोक दल के नेता जयंत चौधरी के नैशनल डैमोक्रेटिक एलायंस (एन.डी.ए.) में जाने के समाचारों के बाद, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के कार्यक्रम से पश्चिमी उत्तर प्रदेश को हटाने का निर्णय लिया है, जिसके कारण यात्रा की अवधि पांच दिन कम हो जायेगी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता, अंशु अवस्थी ने कहा कि, दसवीं और बारहवीं की राज्य बोर्ड परीक्षाओं के कारण, जाट बाहुल्य, पश्चिमी उत्तर प्रदेश को "बाई पास" करने का निर्णय लिया है। अवस्थी ने इस घटनाक्रम को, राहुल गांधी की जनहित के मामलों पर संवेदनशीलता के उदाहरण के रूप में भी पेश करने की

- **उत्तर प्रदेश में कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने यात्रा के मार्ग में परिवर्तन की जानकारी दी और कहा कि, दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के कारण यह निर्णय लिया गया है।**
- **नए कार्यक्रम के तहत राहुल की यात्रा 16 फरवरी को वाराणसी से यू.पी. में प्रवेश करेगी और 19 फरवरी को अमेठी पहुंचेगी।**
- **20 फरवरी को रायबरेली में सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी रैली में शामिल होंगे।**

कोशिश की। उन्होंने आगे बताया कि राहुल गांधी ने पहले भी पश्चिमी बंगाल में कोविड-19 के कारण, जनहित में अपनी यात्राएं रद्द कर दी थीं।

यद्यपि, पार्टी सूत्रों ने संकेत दिया कि, योजना में बदलाव मुख्यतः दो कारणों से किया गया है। पहला, किसान समूहों द्वारा नए सिरे से विरोध प्रदर्शन जो कि उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब से दिल्ली की सीमाओं पर एकत्रित हो रहे हैं। दूसरा कारण है, जयंत चौधरी के विपक्षी मोर्चे को छोड़कर भाजपा नेतृत्व वाले एन.डी.ए. गठबंधन में जाने के निर्णय के बाद, पश्चिम उत्तर प्रदेश पर कांग्रेस पार्टी की रणनीति पर पुर्नविचार की आवश्यकता होना।

नये कार्यक्रम के अनुसार, राहुल गांधी की यात्रा 16 फरवरी को वाराणसी के रास्ते से उत्तर प्रदेश में प्रवेश करेगी और भदोही, प्रयागराज तथा प्रतापगढ़ होते हुए 19 फरवरी को अमेठी पहुंचेगी। तत्पश्चात राहुल गांधी अपने पुराने निर्वाचन क्षेत्र अमेठी का दौरा करेंगे तथा उसके बाद रायबरेली, उन्नाव, कानपुर एवं हमीरपुर होते हुए झांसी पहुंचेंगे।

20 फरवरी को यात्रा को गति मिलने की संभावना है, जब समाजवादी पार्टी प्रमुख, अखिलेश यादव, रायबरेली में यात्रा से जुड़ेंगे तथा एक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मनीष सिसोदिया को मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 12 फरवरी। दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस में राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत दे दी है। कोर्ट ने सिसोदिया को 3 दिन की अंतरिम जमानत दी है।

उन्हें यह जमानत 13 से 15 फरवरी तक लखनऊ में अपनी भतीजी की शादी समारोह में शामिल होने के लिए मिली है।

दरअसल सिसोदिया एक्साइज़ पॉलिसी केस में तिहाड़ जेल में बंद हैं। इससे पहले वे बीते 11 नवंबर को अपनी पत्नी सीमा से मिलने गए थे। उस दौरान सीमा की तबीयत खराब थी। दिल्ली की कोर्ट ने उन्हें 11 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपनी पत्नी से मिलने की इजाजत दी थी।

ताजा मामला सिसोदिया की भतीजी की शादी से जुड़ा है। 14 फरवरी को उनकी भतीजी की शादी है, जिसके लिए सिसोदिया ने जमानत मांगी थी। कोर्ट ने उन्हें राहत देते हुए भतीजी की शादी में शामिल होने की इजाजत दे दी है।

केजरीवाल और भगवंत मान अयोध्या पहुंचे

नयी दिल्ली, 12 फरवरी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर में रामलला के दर्शन किए। केजरीवाल ने 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी।

इज़रायली हमलों में सौ से अधिक मारे गये

गाजा, 12 फरवरी। दक्षिणी शहर राफा और गाज़ा पट्टी के आसपास के इलाकों पर इज़रायली सेना के हमलों में मारे जाने वालों की संख्या सोमवार को बढ़ कर 100 से अधिक हो गई जबकि महिलाओं और बच्चों सहित सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। आधिकारिक फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफा की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायली सेना ने आज तड़के राफा क्षेत्र पर लगभग 40 हवाई हमले किए और जमीन पर भी गोलाबारी की। इज़रायली सेना ने बताया कि, उसने राफ़ा में विशेष बलों के अभियान के बाद दो बंधकों को बचाया। इसके बाद, दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया अब उनकी हालत अच्छी है। इज़रायली सेना ने पहले एक बयान में कहा कि, इज़रायली सेना ने सोमवार को दक्षिणी गाजा में "आतंकवादी ठिकानों पर सिलसिलेवार हमले" किए।

इज़रायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को फोन पर गाज़ा में बंधकों को मुक्त कराने और फिलिस्तीनी क्षेत्र में अधिक सहायता की सुविधा के लिए चल रहे प्रयासों पर चर्चा की। इज़रायली सरकार के एक अधिकारी ने शिन्हुआ को बताया कि, इनमें से लगभग सौ बंधक सात अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के दौरान अपहरण किए जाने के बाद अब भी गाज़ा में हैं। इसके अलावा, दोनों नेताओं ने राफा में इजरायल की जमीनी हमले की घोषित योजना पर भी चर्चा की। गाज़ा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा कि, गाज़ा पट्टी में सात अक्टूबर, 2023 से किये गये इज़रायली हमलों में मरने वाले फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़ कर 28,176 हो गई है।

7 नए अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त

जयपुर, 12 फरवरी (का.सं.)। राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के समय नियुक्त किए 17 अतिरिक्त महाधिवक्ताओं को कार्यमुक्त कर दिया है और उनके स्थान पर 7 नए अतिरिक्त महाधिवक्ताओं की नियुक्ति की गई है। इनमें से पांच अतिरिक्त महाधिवक्ता जयपुर पीठ और दो अतिरिक्त महाधिवक्ता मुख्य पीठ जोधपुर में

- **इसी के साथ सरकार ने पुराने 17 अतिरिक्त महाधिवक्ताओं को कार्यमुक्त कर दिया।**

अपनी सेवाएं देंगे।

राज्य सरकार के आदेश के अनुसार, वरिष्ठ अधिवक्ता भरत व्यास, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल बसंत सिंह छाबा, पूर्व अतिरिक्त महाधिवक्ता जी.एस. गिल, अधिवक्ता भुवनेश शर्मा और अधिवक्ता सुरेंद्र सिंह नरूका को जयपुर पीठ के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता नियुक्त किया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश ने विधानसभा में बहुमत साबित किया, राजद के भी तीन विधायक तोड़े

विश्वास मत से पहले राजद, कांग्रेस और वाम मोर्चा वॉक आउट कर गए और नीतीश 130-0 से जीत गए

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 फरवरी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व उनकी पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) भाजपा गठबंधन की सरकार ने सोमवार को दोपहर में सदन में विश्वास प्राप्त कर लिया इससे पूर्व तेजस्वी यादव ने 9वीं बार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की हाल ही में पाला बदलने पर उनकी कटु आलोचना की।

यद्यपि राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस एवं वामपंथी मोर्चा ने विधानसभा में विश्वास मत से पूर्व ही सदन बर्हिगमन कर दिया जिससे जद (यू) भाजपा गठबंधन को बहुमत का आंकड़ा आराम से मिल गया। बहुमत प्राप्ति के लिए गठबंधन राजद के भी तीन वोट तोड़ने में सफल रहा परन्तु यह सफलता पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव के द्वारा मान अपमान की परवाह नहीं करने वाले बिहार के मुख्यमंत्री की भीषण आलोचना एवं चुभने वाले व्यंग्य एवं कटाक्ष करने के बाद मिली, जिसे मुख्यमंत्री बड़े धैर्य के साथ सुनते रहे।

243 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा प्राप्त करने के लिए 122 वोट की जरूरत थी। नीतीश कुमार जिन्होंने लालू यादव के नेतृत्व राष्ट्रीय जनता दल (आर.जे.डी.) गठबंधन से नाता गत जनवरी में ही तोड़ दिया था, उन्हें भाजपा के समर्थन से वापस सत्ता के शीर्ष पद पर आने के बाद सदन में अपना बहुमत सिद्ध करना जरूरी था।

हमलावर क्रोधित यादव अपने पूर्व सहयोगी पर व्यंगात्मक तानों और

- **तेजस्वी ने कहा कि, नीतीश ने 9 बार लगातार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली, जो एक रिकॉर्ड है, पर सबसे अनोखी बात है कि, एक ही कार्यकाल में तीन बार शपथ ली।**
- **तेजस्वी बोले, नीतीश मुझे बेटा कहते हैं, मैं भी उन्हें पिता मानता हूँ, पर वे दशरथ जैसे हैं। दशरथ ने राम को मजबूरी में वनवास भेजा था, नीतीश भी मजबूर रहे होंगे।**

कटाक्षों की झड़ी लगा दी और उन्होंने उनके नये सहयोगी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व भाजपा के गठबंधन को पलटु कुमार का नाम दिया।

यादव ने मुख्यमंत्री पर कटाक्ष करते समय रामायण से भी एक संदर्भ दिया। नीतीश कुमार उन्हें प्रायः अपना बेटा कहकर संबोधित करते हैं और वे भी उन्हें अपना अभिभावक और एक जैसा पिता मानते हैं पर वे दशरथ जैसे हैं।

उन्होंने कहा, हो सकता है नीतीश की कोई मजबूरी रही हो ठीक वैसे ही जैसे राजा दशरथ की राम को वनवास भेजते समय थी। दशरथ उन्हें कभी वनवास भेजना नहीं चाहते थे परन्तु कैकयी ने ऐसा करवाया। हम चाहते हैं कि आप मुख्यमंत्री बने रहें और आपने जो वादे किए हैं उन्हें पूरा करें। यादव ने रामायण का संदर्भ देते हुए यह भी कहा कि आप अपने आसपास जो कैकयी है उसे अवश्य पहचाने।"

यादव ने पार्टी सदस्यों से अनुमोदन के लिए समर्थन जताने को कहा कि क्या प्रधानमंत्री इस बात की गारंटी दे सकते हैं कि नीतीश दुबारा पलटी नहीं मारेंगे? यादव ने नीतीश कुमार से यह बताने को कहा कि बिहार के लोगों के प्रति उनका क्या कार्य होगा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने नीतीश पर तंज कसते हुए कहा कि, आप जब राजभवन में त्यागपत्र देकर बाहर आए तो आपने कहा, "मन नहीं लग रहा था, तो हम लोग नाचने गाने के लिए थोड़े ही हैं? हम तो आपको समर्थन देने के लिए थे"

"यादव ने यह भी कहा कि कुमार ने लगातार नौ बार मुख्यमंत्री की शपथ ग्रहण करके इतिहास लिख दिया है। परन्तु उन्होंने एक ही कार्यकाल में तीन बार शपथ ली है, ऐसा वाकया हमने पहले कभी नहीं देखा था।"

आगे यह भी कहा कि उन्हें नहीं पता कि ऐसी क्या बाध्यता थी जिसने उन्हें महागठबंधन तोड़ने के लिए मजबूर कर दिया, जिसमें जद (यू), राजद व कांग्रेस शामिल थे।

यादव ने निशाना साधा और कहा कि, बिहार की जनता यह जानना चाहती है कि, वे बार-बार पाला क्यों बदलते हैं। यादव ने नीतीश की विश्वसनीयता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अशोक चव्हाण ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया

मुंबई, 12 फरवरी। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने सोमवार को कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके भाजपा में शामिल होने की संभावना है।

चव्हाण ने इस संबंध में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को एक पत्र

- **महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री चव्हाण ने कहा, अब दूसरे विकल्प की तलाश करूँगा।**
- **चव्हाण के बहुत जल्द भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं।**

लिखा है और राज्य विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को विधानसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा भी भेजा है।

हाल के वर्षों में, महाराष्ट्र की राजनीति में कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक कई झटके लगे हैं क्योंकि पार्टी के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)